Series : S7PQR

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड 2/7/2

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे। [ ]

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *यह प्रश्न-पत्र **तीन** खण्डों में विभाजित है।*

(ii) ***खण्ड क** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) ***खण्ड ख** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(iv) ***खण्ड ग** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(v) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(vi) *यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

जीवन एक संग्राम है, मत समझो यह विश्राम है,
हर दिन नई चुनौती है, हर पल एक इम्तहान है।
सुख-दुख की इस बगिया में, फूलों के संग काँटे भी हैं,
जो साहस से चलना सीखे, वही असली विजेता है।
आँधियाँ आएँगी राहों में, बाधाएँ मिलेंगी हर मोड़ पर,
मन को डगमगाने मत देना, विश्वास रखो अपने ज़ोर पर।
हर असफलता एक सीख है, हर गिरना है एक सबक,
जो गिरकर फिर उठते हैं, वही होते हैं असल में मज़बूत।
जीवन का यथार्थ यही है, संघर्ष ही सबसे बड़ा धर्म,
कभी मत रुकना इस राह में, चलो निरंतर, यही है कर्म।
मंजिल मिलेगी निश्चित ही, अगर इरादे पक्के हों,
धैर्य और मेहनत का दीप जलाओ –
सपनों के पंख खुद-ब-खुद खुलेंगे।

(i) जीवन को संग्राम क्यों कहा गया है ? *1*

(A) जीवन विश्राम का पर्याय है।
(B) जीवन मुस्कान का अभिप्राय है।
(C) जीवन चुनौती और साहस का समन्वय है।
(D) जीवन सफलता का पर्याय है।

(ii) 'सपनों के पंख खुद-ब-खुद खुलेंगे' से अभिप्राय है : *1*

(A) कामनाओं की पूर्ति
(B) धन एवं वैभव की उपलब्धि
(C) गंतव्य का मार्ग
(D) लक्ष्यों की सिद्धि

(iii) कविता के केंद्रीय भाव को दर्शाने वाला/वाले कथन है/हैं : *1*

I. संघर्ष ही जीवन है।

II. आनंद ही जीवन है।

III. शांति ही जीवन है।

विकल्प :

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) केवल III

(D) I और II दोनों

(iv) काव्यांश के अनुसार जीवन क्या है ? *1*

(v) कवि के अनुसार कौन-से व्यक्ति मज़बूत होते हैं ? *2*

(vi) कवि ने जीवन का यथार्थ किन्हें माना है ? *2*

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

भारत की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता की पटकथा में गाँवों की अहम् भूमिका है। बदलते समय के साथ, "डिजिटल ग्रामीण व्यवस्था" एक नई दिशा का प्रतीक बन चुकी है। यह व्यवस्था न केवल तकनीकी विकास का संकेत है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण का भी माध्यम है।

डिजिटल इंडिया मिशन के तहत अब ग्राम पंचायतों में इंटरनेट सुविधाएँ, डिजिटल भुगतान प्रणाली, ऑनलाइन शिक्षा और टेलीमेडिसिन सेवाएँ उपलब्ध हो रही हैं। किसान अब मोबाइल ऐप्स की सहायता से मौसम की जानकारी, फ़सल बीमा योजनाएँ और बाज़ार के दाम जान सकते हैं। इससे उनकी निर्भरता बिचौलियों पर कम हो गई है।

ग्राम स्तर पर ई-गवर्नेंस ने पारदर्शिता बढ़ाई है। जन्म प्रमाण-पत्र, भूमि रजिस्ट्रेशन, पेंशन योजनाएँ और सरकारी सब्सिडी जैसी सेवाएँ अब ऑनलाइन हो गई हैं। हालाँकि चुनौतियाँ अब भी हैं – जैसे डिजिटल साक्षरता की कमी, इंटरनेट की धीमी गति और बिजली की अनियमित आपूर्ति, फिर भी यह बदलाव धीरे-धीरे ग्रामीण जीवन को सशक्त बना रहा है। यदि सही दिशा में प्रयास जारी रहे, तो डिजिटल ग्रामीण व्यवस्था भारत को आत्मनिर्भर और समावेशी समाज की ओर अग्रसर कर सकती है।

(i) गद्यांश में ग्रामीण भारत के हृदय में नवीन विकास के संकेत का प्रतीक किसे कहा गया है ? *1*

(A) तकनीकी विकास की व्यवस्था

(B) सामाजिक विकास की व्यवस्था

(C) आर्थिक विकास की व्यवस्था

(D) डिजिटल ग्रामीण व्यवस्था

(ii) डिजिटल व्यवस्था से किसानों को क्या लाभ हुआ है ? *1*

(A) कर देने में सुविधा होना

(B) बिचौलियों पर निर्भरता कम होना

(C) अनाज भंडारण की सुविधा होना

(D) मज़दूरी में वृद्धि होना

(iii) निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए : *1*

कथन I : ई-गवर्नेंस सिस्टम में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हैं।

कथन II : ई-गवर्नेंस सिस्टम में पारदर्शिता के कारण सरकारी जानकारी एवं सेवाओं तक नागरिकों की पहुँच में वृद्धि हुई है।

कथन III : ई-गवर्नेंस सिस्टम ग्रामीण भारत को आधुनिक और सशक्त बना रहा है।

कथन IV : ई-गवर्नेंस सिस्टम समय और धन का अपव्यय करता है।

विकल्प :

(A) केवल कथन I और IV सही हैं।

(B) केवल कथन III और IV सही हैं।

(C) केवल कथन II और III सही हैं।

(D) केवल कथन I और II सही हैं।

(iv) डिजिटल ग्रामीण व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य क्या है ? *1*

(v) डिजिटल ग्रामीण व्यवस्था से ग्राम पंचायतों में कौन सी सेवाएँ उपलब्ध हो रही हैं ? *2*

(vi) किसानों को डिजिटल तकनीक के तहत मोबाइल ऐप के माध्यम से किन-किन सुविधाओं की प्राप्ति हो रही है ? *2*

(vii) डिजिटल ग्रामीण व्यवस्था को सफल बनाने में कौन-सी मुख्य चुनौतियाँ हैं ? *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *4×2=8*

(i) रेडियो और टेलीविज़न के समाचारों में भाषा-शैली के स्तर पर काफी सावधानियाँ बरतनी पड़ती हैं, क्यों ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) टी.वी. पर खबरों के प्रसारण के दौरान प्रयुक्त चरण 'लाइव' से आप क्या समझते हैं ?

(iii) समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय और बुनियादी शैली कौन-सी है ? इसके उपयोग पर प्रकाश डालिए।

(iv) समाचार पत्र-पत्रिकाओं में कारोबार और अर्थजगत से जुड़ी खबरों को विशेष स्थान क्यों दिया जाता है ?

(v) समाचार पत्र-पत्रिकाओं में पाठकों का अपना स्तंभ किसे और क्यों माना जाता है ?

4. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(i) सोशल मीडिया से घिरा आज का मानव

(ii) भारत की युवा शक्ति

(iii) हमारी बदलती आधुनिक जीवन-शैली

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(i) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय संवादों को किस प्रकार प्रभावशाली बनाया जा सकता है ?

(ii) "विवरण-विवेचन के सुसंबद्ध होने के साथ-साथ उसका (विषय-वस्तु का) सुसंगत होना भी अच्छे लेखन की विशेषता है।" उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(iii) रेडियो नाटक में संवादों और ध्वनि संकेतों के महत्त्व को समझाकर लिखिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना
मैं पेंच को खोलने के बजाए
उसे बेतरह कसता चला जा रहा था
क्योंकि इस करतब पर मुझे
साफ़ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शाबाशी और वाह-वाह।
आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया।

(i) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए :

	कॉलम-I		*कॉलम-II*
1.	बात का पेंच खोलना	(i)	बात का प्रभावहीन हो जाना
2.	बात की चूड़ी मर जाना	(ii)	बात में कसावट का न होना
3.	पेंच को कील की तरह ठोंक देना	(iii)	बात को सहज और स्पष्ट करना

विकल्प :

(A) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(B) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

(C) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(D) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)

(ii) कवि को किस बात का डर था ?

(A) कहीं बात बन न जाए

(B) कहीं बात और न बिगड़ जाए

(C) कहीं कोई बात न हो

(D) कहीं बात पकड़ में न आ जाए

(iii) 'इस करतब' के माध्यम से कवि ने किस ओर संकेत किया है ?

(A) बात को सहज और सरल बना देने की ओर

(B) अपने भाषिक ज्ञान और कौशल की ओर

(C) श्रोताओं से मिल रही प्रशंसा की ओर

(D) बात को शब्दजाल में उलझाने और जटिल बनाने की ओर

(iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : बात का सही शब्द से जुड़ना ही सहज भावाभिव्यक्ति है।

कारण : प्रत्येक अभिव्यक्ति के लिए कुछ खास शब्द नियत होते हैं, अत: भाषा के प्रयोग में चमत्कार प्रदर्शन से परे अत्यन्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कथन सही है, लेकिन कारण ग़लत है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(v) तमाशबीनों की शाबाशी और वाह-वाही में कौन-सा भाव है ?

(A) आक्रोश का

(B) व्यंग्य का

(C) प्रशंसा का

(D) समानता का

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) 'पतंग' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कवि ने प्रकृति में हो रहे परिवर्तनों का बाल-सुलभ चेष्टाओं से किस प्रकार सामंजस्य स्थापित किया है ?

(ii) 'बादल राग' कविता में 'अस्थिर सुख पर दुख की छाया' का क्या अभिप्राय है ? दुख की छाया से कवि ने किस ओर संकेत किया है ?

(iii) 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि 'बीज गल गया नि:शेष' पंक्ति से क्या तात्पर्य है ?

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता में कवि ने यह क्यों कहा है – 'मैं होऊँ किसके हित चंचल' ?

(ii) 'सूर्योदय के साथ कौन-सा जादू टूट जाता है ? 'उषा' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है, बालक तो हई चाँद पै ललचाया है' – पंक्ति में बाल मनोविज्ञान के किस पक्ष का वर्णन हुआ है ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) 'चूड़ाकर्म' से क्या अभिप्राय है ? अपने चूड़ाकर्म की उपयुक्तता सिद्ध करने के लिए भक्तिन ने शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका को दिया ?

(ii) "सूखे के समय इंदर सेना पर पानी डालना कहाँ तक सही है ?" – 'काले मेघा पानी दे' पाठ से उद्धृत इस पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि जीजी ने लेखक के मन की दुविधा का समाधान किस प्रकार किया ?

(iii) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ में श्रम विभाजन का आधार किसे और क्यों नहीं माना जा सकता ?

10. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना-इतना सरस वह कैसे बना रहता है ? क्या ये बाह्य परिवर्तन – धूप, वर्षा, आँधी, लू – अपने आप में सत्य नहीं हैं ? ..... उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गांधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब-तब हूक उठती है – हाय, वह अवधूत आज कहाँ है !

(i) शिरीष का पेड़ लेखक में कौन-सी भावना जगा देता है ?

(A) भ्रातृत्व की

(B) सद्भाव की

(C) अजेय मंत्र की

(D) सौंदर्य बोध की

(ii) 'क्या ये बाह्य ... अपने आप में सत्य नहीं हैं ?' प्रश्न के द्वारा लेखक ने किस ओर संकेत किया है ?

(A) मौसम परिवर्तन की दार्शनिक व्याख्या की ओर

(B) जीवन की कठिनाइयों को स्वीकार कर सत्य की खोज की ओर

(C) प्राकृतिक आपदाओं से नहीं डरने की ओर

(D) प्राकृतिक आपदाओं को स्वीकार करने की ओर

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :

(A) 'शिरीष' जिजीविषा और तुमुल कोलाहल-कलह के बीच धीरता का परिचायक है।

(B) 'शिरीष' प्रतिकूल परिस्थितियों में विचलित हो जाता है।

(C) 'शिरीष' युद्ध की स्थिति में सहनशक्ति खो देता है।

(D) 'शिरीष' विपरीत समय में हतोत्साहित हो जाता है।

(iv) गद्यांश में शिरीष, गांधी जी और अवधूत तीनों का उल्लेख हुआ है, तीनों में क्या समानता थी ?

(A) तीनों ने अपना जीवन परोपकार में बिताया।

(B) तीनों को समाज में लोकप्रियता प्राप्त थी।

(C) परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढालकर स्वभाव से दृढ़ रहे।

(D) सभी ने सामाजिक जीवन का बहिष्कार किया।

(v) गद्यांश का केंद्रीय भाव है :

(A) प्रेम का मोह से श्रेष्ठ होना

(B) समानता का असमानता से श्रेष्ठ होना

(C) आत्मबल का देहबल से श्रेष्ठ होना

(D) सत्य का असत्य भाव से श्रेष्ठ होना

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए :

2×5=10

(i) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर उन जीवन-मूल्यों की उदाहरण सहित समीक्षा कीजिए जिनमें वर्तमान समय में परिवर्तन आ रहा है।

(ii) 'जूझ' के कथानायक का मन खेती के काम की अपेक्षा पाठशाला जाने के लिए क्यों व्याकुल था ?

(iii) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर शीर्षक का औचित्य सिद्ध कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) 'बाज़ार दर्शन' पाठ में 'पैसा पावर है' – लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए कि महामारी की त्रासदी झेल रहे लोगों पर ढोल की आवाज़ का क्या प्रभाव पड़ता था ?

(iii) भक्तिन ने महादेवी वर्मा के जीवन को कैसे प्रभावित किया ?